University in News on 01 March 2020

Amar Ujala-My City

लविवि के नवीन परिसर में बनेगा इंडोर स्टेडियम व बहुद्देश्यीय हॉल

विश्वविद्यालय ने भेजा सरकार को आठ करोड़ रुपये का प्रस्ताव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में आठ करोड़ रुपये की लागत से इंडोर स्टेडियम और बहुद्देश्यीय हॉल का निर्माण होने वाला है। इसके लिए लविवि ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। मंजूरी मिलते ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। विवि के न्यू कैंपस में इस समय ढंग का खेल मैदान तक नहीं है। इंडोर स्टेडियम बनने और बहुद्देश्यीय हाल का निर्माण होने से विद्यार्थियों को काफी सहूलियत होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय का नवीन परिसर हमेशा से उपेक्षा का शिकार रहा है। पुराने परिसर से करीब आठ किलोमीटर दूर होने की वजह से न्यू कैंपस के विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाएं तक नहीं मिल पाती हैं। इसको देखते हुए लविवि प्रशासन ने अब नवीन परिसर में सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से एक इंडोर स्टेडियम तथा बहुद्देश्यीय हाल के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। इसकी लागत आठ करोड़ रुपये है। उम्मीद है कि इनके निर्माण के बाद नए परिसर की स्थिति में कुछ सुधार आएगा।

अब इंटर्नशिप में मदद करेंगे विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र

लखनऊ। लविवि के पूर्व छात्र यहां के विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों में इंटर्नशिप करने में मदद करेंगे। लविवि में लाइब्रेरी साइंस विभाग की ओर से आयोजित पहली एल्युमिनाई मीट में पूर्व छात्रों ने यह आश्वासन दिया। जेके सभागार में हुई इस मीट में वर्ष 1972 से लेकर अब तक के बैच के विद्यार्थी मौजूद रहे।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी साइंस विभाग में एक एल्युमिनाई सेल गठित की जानी चाहिए। डॉ. बबिता ने कहा कि इस कार्यक्रम के बाद इंटर यूनिवर्सिटी कंप्टीशन के आयोजन के साथ विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कराने के लिए जल्द ही एक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। लविवि ने परास्नातक स्तर पर अनिवार्य रूप से इंटर्नशिप की व्यवस्था की है। ऐसे में इंटर्नशिप की भूमिका बढ़ गई है।

शोध प्रविधि पर आधारित कार्यक्रम समय की जरूरत

लखनऊ। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के कार्यक्रम में कहा कि शोध प्रविधि पर आधारित कार्यक्रम समय की जरूरत हैं। इसलिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए। वे संस्थान में आयोजित कार्यशाला के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नीरज कौशिक उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रतिभागियों को शोध प्रविधि के बारे में जानकारी दी। निदेशक प्रो. मनोज अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

NBT

बनेगी अल्मनाई सेल, करवाएंगे इंटर्नशिप

एलयू के लाइब्रेरी साइंस विभाग में हुई मीट में वीसी आलोक कुमार राय ने की घोषणा

लाइब्रेरी साइंस विभाग में रविवार को हुई मीट में वर्ष 1972 से 2019 के बैच के अल्मनाई मौजूद रहे।

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के लाइब्रेरी साइंस विभाग में एक अल्मनाई सेल गठित की जाएगी। इसमें शामिल अल्मनाई विभाग के स्टूडेंट्स को पढ़ाएंगे। इसके अलावा यहां के अल्मनाई जो मौजूदा समय में जिस कॉलेज या यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में कार्यरत हैं, वहां विभाग के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप से लेकर ट्रेनिंग करवाएंगे। इसके लिए जल्द ही विभागीय स्तर पर एक पॉलिसी भी बनाई जाएगी। यह घोषणा एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लाइब्रेरी साइंस विभाग की पहली अल्मनाई मीट में की।

लाइब्रेरी साइंस विभाग में रविवार को हुई मीट में वर्ष 1972 से 2019 के बैच के अल्मनाई मौजूद रहे। इनमें ज्यादातर अल्मनाई आईआईएम, डिग्री कॉलेज, आईआईएसईआर भोपाल, शहर के स्कूल और केंद्रीय विद्यालय के लाइब्रेरियन हैं। अल्मनाई मीट में शामिल डॉ. बबिता ने बताया कि करीब 26 वर्ष बाद विभाग में कोई आयोजन इतने बड़े स्तर पर हुआ है। वर्ष 1995 में आईएएसएलआईसी की कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसके बाद अब अल्मनाई मीट हुई है। इस कार्यक्रम के बाद इंटर यूनिवर्सिटी कॉम्पिटीशन करवाया जाएगा। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय सेमिनार भी होगा।

'तकनीक के हिसाब से खुद को बदलें लाइब्रेरियन'

■ एनबीटी, लखनऊ: आईआईएम लखनऊ कैंपस में रविवार को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आइसीएएल-2020 की शुरुआत हुई। एशियन लाइब्रेरीज, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी ऐंड रिप्रजेंटिंग की ओर से हुई कॉन्फ्रेंस में लाइब्रेरी की अत्याधुनिक जरूरतों पर चर्चा की गई। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन आईआईएम लखनऊ की निदेशक प्रो. अर्चना शुक्ला ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लाइब्रेरियन को तकनीक के हिसाब बदलने के लिए तैयार होना चाहिए। आने वाले भविष्य में पुस्तकालय की कार्यशैली बदलने जा रही है। कार्यक्रम में आए एसएस ढाका ने एशियन लाइब्रेरीज असोसिएशन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रो. शबाहत हुसैन, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) एएमयू, अलीगढ़, मुख्य अतिथि जेकेएलयू जयपुर के कुलपति प्रो. आरएल रैना मौजूद रहे। सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Hindustan Lucknow Live

दावा: इंग्लैंड के संस्थान के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय दूसरा ऐसा विश्वविद्यालय होगा, जहां पर रोजगार पर शोध होगा

छात्रों को नौकरी दिलाने के साथ रोजगार पर शोध भी होगा

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय का काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) अब न केवल जॉब फेयर आयोजित करके नौकरियां दिलवाएगा बल्कि यहां पर रोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य भी होगा।

प्रदेश सरकार से मिली महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन पीठ के अंतर्गत यह शोध किए जाएंगे। इस पीठ के लिए सरकार की तरह से दो करोड़ का अनुदान दिया गया है। विवि प्रशासन का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ विश्वविद्यालय रोजगार पर शोध करने वाले दूसरा संस्थान होगा। इस प्रकार का एक संस्थान अभी सिर्फ इंग्लैंड में है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 2017 में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) की शुरुआत की गयी। इसकी पहली संस्थापक निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल बनी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि इस रोजगार पीठ के माध्यम से न केवल छात्रों के लिए कैरियर स्किल संबंधी अवसरों को और मजबूत किया जाएगा, बल्कि, नौकरी की चाह रखने वाले छात्रों की मानसिक और शारीरिक क्षमताओं को भी विकसित किया जाएगा। यही नहीं, यह पीठ छात्रों को संसाधन के स्तर पर आवश्यक सहयोग भी प्रदान करेगी।

रोजगार समिट होंगे: पीठ की ओर से पुस्तकालय से लेकर रोजगार से जुड़े शोध पत्रों के प्रकाशन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस पीठ के अंतर्गत रोजगार समिट, कार्यशाला समेत अन्य कार्यक्रम कराए जाएंगे।

> रोजगार की कमी नहीं है। जरूरत है उसके अनुकूल तैयारी की। यही काम रोजगार पीठ करेगा। इस पीठ के तहत रोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध पर काम होगा। इसमें, इनक्यूबेशन सेंटर भी स्थापित किया जा सकता है। इंग्लैंड के एक संस्थान को छोड़ दें तो इस क्षेत्र में विश्व में कहीं भी काम नहीं हुआ है। - प्रो. मधुरिमा लाल, निदेशक, सीपीसी

'सॉफ्टवेयर आर' से बढ़ेगी शोध कार्य की गुणवत्ता

लखनऊ। सॉफ्टवेयर आर से न सिर्फ शोधार्थियों की क्षमताओं में इजाफा हुआ है बल्कि शोध की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। यह कहना है डॉ. नीरज कौशिक का। वह रविवार को लखनऊ विवि के नवीन परिसर में शोध में सांख्यिकी सॉफ्टवेयर आर के इस्तेमाल पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि फैकल्टी डेवेलपमेंट कार्यक्रमों का आयोजन जरूरी है। प्रो. डीएनएस यादव, प्रो. मनोज अग्रवाल मौजूद थे।